होम्योपैथी द्वारा
मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य रक्षा हेतु
राष्ट्रीय अभियान

बच्चों के तीव श्वसनी शोथ के लिए
होम्योपैथी

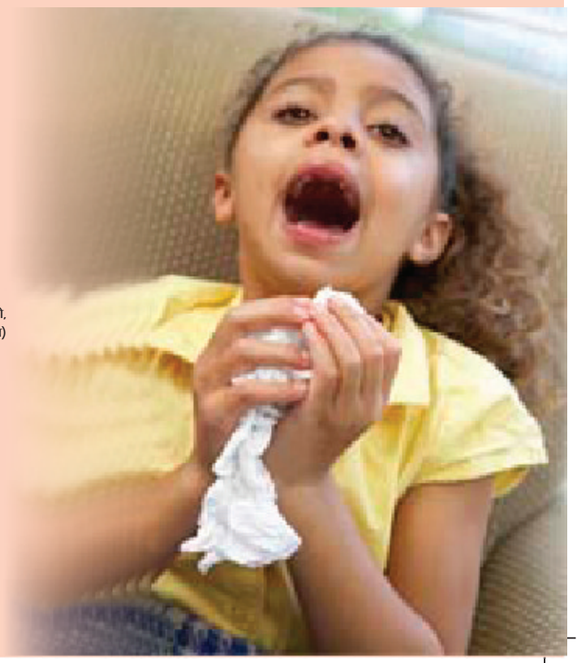

आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी चिकित्सा विभाग (आयुष)
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार

केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद्
(भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं
परिवार कल्याण मंत्रालय
के अधीन गठित स्वशासी निकाय)

होम्योपैथिक उपचार में सामान्य हिदायतें :

1. इस पत्रिका में निर्देशित औषधियों का उपयोग उसी अवस्था में करना चाहिए जब दिए गए लक्षण रोगी के लक्षणों से मेल खाते हों।
2. औषधि की मात्रा – प्रत्येक तीन घण्टे के बाद 40 नम्बर की 3 गोलियाँ चूस लें अथवा सादे पानी में घोल कर लें।
3. औषधि का सेवन मुँह साफ करके करें और बेहतर होगा कि खाली पेट लें।
4. यदि औषधि सेवन के 24 घंटे की अवधि में आराम आ जाए तो औषधि का सेवन बंद कर दें।
5. यदि औषधि सेवन के बाद 24 घंटे में आराम न आए अथवा लक्षणों में वृद्धि हो तो होम्योपैथिक चिकित्सक की सलाह लें।
6. औषधियों को तेज गन्ध वाली वस्तुओं जैसे कपूर तथा मेंथाल इत्यादि से दूर रखें।
7. औषधियों को ठंडे एवं शुष्क स्थान पर रखें और धूप एवं गर्मी से दूर रखें।
8. औषधियों को बच्चों की पहुँच से दूर रखें।

केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद्
(भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन गठित स्वशासी निकाय)
जवाहर लाल नेहरू भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथिक अनुसंधान भवन,
61–65 संस्थागत क्षेत्र, डी–ब्लॉक के सामने, जनकपुरी, नई दिल्ली–110058
फोनः 91–11–28521162, 91–11–28525523 फैक्सः 91–11–28521060
ईमेल : ccrh@del3.vsnl.net.in वेबसाइट : www.ccrhindia.org

बच्चों के तीव्र श्वसनी शोथ

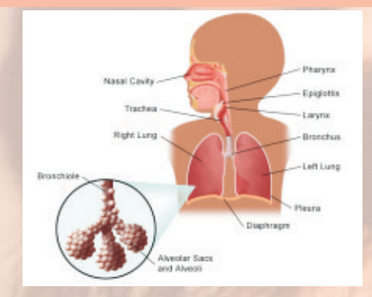

तीव्र श्वस नली प्रदाह में फेफड़ों में सूजन होने से तेज़ बुखार के साथ खाँसी आती है. बलगम बनता है और सांस लेने पर घड़–घड़ की आवाज़ आती है।

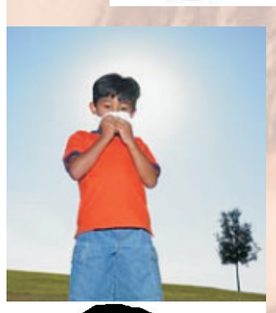

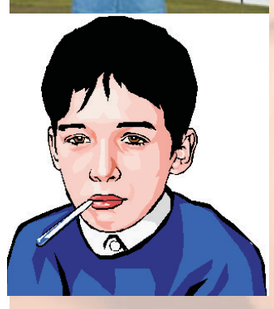

कारण :

- संक्रमण (अधिकतर विषाणुओं के कारण. अन्यथा कभी–2 कीटाणुओं एवं फफूंद के कारण)
- ऐलर्जी

लक्षण एवं चिन्ह :

- खाँसी
- छाती में कसाव /जकड़न के साथ सांस लेने में कठिनाई ।
- अल्पमात्रा में सफेद बलगम आना और कभी–2 रक्तिम होना ।
- 1–2 दिन के बाद बलगम पीली अथवा हरी हो जाती है और इसकी मात्रा बढ़ जाती है ।
- तेज ज्वर ।
- भूख न लगना ।

क्या करें, क्या न करें :

- बच्चे को दूषित वायु, धुएँ, धूल आदि से बचाएँ ।
- विषाणुओं से छुटकारा दिलाने के लिए बच्चे के हाथ बार–बार धुलाएँ ।

- रोग के लक्षणों की अनदेखा न करें । अधूरे उपचार से नया श्वास नली शोथ पुराने शोथ में बदल जाता है ।

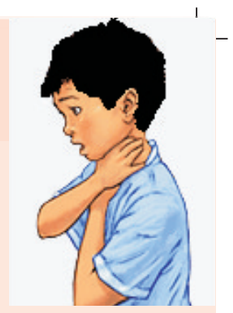

होम्योपैथी चिकित्सा से क्या लाभ हो सकता है :

रोग प्रतिरोधक प्रणाली सुदृढ़ होती है ।
औषधियों के दुष्परिणाम नहीं होते ।
रोग की तीव्रता को कम करने में सहायक होती है ।
रोग को पूर्ण रूप से ठीक करती है।

निम्नलिखित औषधियाँ तीव्र श्वसनी शोथ के प्राथमिक उपचार में प्रायः उपयोग में लाई जाती हैं फिर भी योग्य होम्योपैथिक चिकित्सक की सलाह अवश्य लें ।

लक्षण	औषधि
शुष्क ठण्डी हवा लगने से श्वासनली प्रदाह की शुरूआत छाती में लगातार दबाव साँस लेने में कठिनाई सशब्द साँस बैठी हुई आवाज वाली तथा शुष्क खाँसी घबराहट के साथ बहुत बेचैनी प्यास ज्यादा लगना	*एकोनाइटम नेपेलस 30*
गले में घुटन और उल्टी के साथ शुष्क खाँसी खाने के बाद खाँसी का बढ़ना साँस लेने में कठिनाई हिलने–डुलने से बढ़ना तथा आराम करने से तकलीफ में आराम मिलना बच्चे को बार–2, ज्यादा मात्रा में पानी पीना अच्छा लगता है चिड़चिड़ापन	*ब्रायोनिया एल्बा 30*

पीछे दिए गए निर्देशों का पालन करें